भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1232
उत्तर देने की तारीख-28/07/2025

जेएनयू द्वारा तुर्की विश्वविद्यालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन रद्द करना

1232. श्री तमिलसेल्वन थंगा:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने हाल ही में सैन्य 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान तुर्की सरकार द्वारा पाकिस्तान को दिए गए समर्थन के कारण तुर्की विश्वविद्यालय के साथ सभी शिक्षा/अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन रद्द कर दिया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) तुर्की विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा और अनुसंधान कार्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों की कुल संख्या कितनी है;
(घ) क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने वाले सभी देशों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जा रही है;
(ङ.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (च): जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय अधिनियम, 1966 के तहत स्थापित एक वैधानिक स्वायत्त संगठन है और इसके अंतर्गत बनाए गए अधिनियमों, संविधियों, अध्यादेशों और विनियमों के प्रावधानों द्वारा शासित है। विश्वविद्यालय द्वारा अपने प्रशासनिक और शैक्षणिक निर्णय कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद और कोर्ट जैसे वैधानिक निकायों के अनुमोदन से लिए जाते हैं। विश्वविद्यालय ने सूचित किया है कि उसने राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से 14 मई 2025 को इनोनू विश्वविद्यालय, मालट्या, तुर्की के साथ समझौता ज्ञापन को निलंबित कर दिया है। कोई भी विद्यार्थी तुर्की विश्वविद्यालय में उच्चतर शिक्षा और शोध कार्यक्रम नहीं कर रहा है।

*****